पूसा संस्थान के छात्रावास-"फाल्गुनी" तथा कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के " चयन भवन" का उद्घाटन

प्रेस विज्ञप्ति

आज केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार, श्री अर्जुन मुंडा ने हरित क्रान्ति की जन्मस्थली एवं राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा में नवीन प्रजातियों एवं तकनीकों के विकास से निरंतर अहम् योगदान देने वाला भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली का दौरा कियस तथा संस्थान के परिसर में नव-निर्मित कन्या छात्रावास-"फाल्गुनी " का उद्घाटन किया ।
केन्द्रीय कृषि मंत्री ने बताया राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020, विश्व गुरु के रूप में भारत की भूमिका को प्रबल करने के लिए उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण का प्रस्ताव करती है तथा इस दिशा में यह संस्थान 2030 तक एक बहुविषयक शैक्षिक और अनुसंधान विश्वविद्यालय (मेरु) बनने तथा वैश्विक विश्वविद्यालय बनने के लिए संकाय विविधीकरण, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण और छात्र के प्रवेश में वृद्धि पर अत्यधिक बल दे रहा है। इसी कड़ी में संस्थान ने 2022 से बी.एस.सी. (कृषि) , बी.टेक. (कृषि अभियांत्रिकी), बी.टेक. (बायोटेक्नोलॉजी), एबी.एस.सी. (कम्युनिटी साइंस) के 4 स्नातक पाठ्यक्रमों की शुरुआत किया है, जिसमें राष्ट्र स्तर के 428 विद्यार्थियों का दाखिला हुआ है। कन्या छात्रावास-"फाल्गुनी" में एकल सैय्या वाली 500 कमरे हैं। इस छात्रावास परिसर में फ़ूड कोर्ट, सौर ऊर्जा प्रणाली, वर्षा जल संचयन प्रणाली, जेनेरेटर आधारित पॉवर बैक उप, वाई-फाई नेटवर्क, आर. ओ. प्रणाली आधारित पेय जल, अग्निशामक व्यवस्था, पार्किंग क्षेत्र, लिफ्ट प्रणाली जैसे सभी आधुनिक सुविधाएं हैं ऐसे आधुनिक सुविधाओं वाली व्यवस्था से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय छात्राओं का आकर्षण बढ़ेगा। इसके बाद केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के नव-निर्मित" चयन भवन" का भी उद्घाटन किया ।

इस अवसर पर श्री अर्जुन मुंडा जी के साथ माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, श्री कैलाश चौधरी जी एवं सुश्री शोभाकरंद लाजे जी तथा डॉ हिमांशु पाठक, सचिव डेयर एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ संजय कुमार, चेयरमैन, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली; तथा डॉ ए. केसिंह निदेशक ., भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली भी उपस्थित थे ।

बाद में श्री अर्जुन मुंडा जी ने झारखंड से आये ३५० से अधिक आदिवासी किसानों को संबोधित किया तथा उद्यमी खेती , जलवायु तन्यक खेती, समेकित खेती, मूल्य संवर्धन, मृदा जांच आधारित उर्वरक के उपयोग, नेचुरल फार्मिंग आदि क्षेत्रों में विकसित नवीन तकनीकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया ।

खेती में वैज्ञानिक तकनीकों का समावेश अवाश्यक है । सरकार ने कृषि के पुनरोद्धार के साथ-साथ किसानों की समृद्धि के लिए कई अभिनव और व्यावहारिक कदम उठाए हैं। कृषि मंत्रालय का नाम कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय रखा जाना इस बात का उत्कृष्ट प्रमाण है कि हमारी सरकार किसानों के हितार्थ निष्ठापूर्वक कटिबद्ध है और इस के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं । 'प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना', 'प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना', उत्पादों के सही और उचित विपणन के लिए 'e-NAM' और 'न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)' आदि योजनाएँ किसानों को सामर्थ्य प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रही है। किसानों की आजीविका सुरक्षा और कल्याण, हमारी वर्तमान सरकार की प्राथमिकता रही है । किसानों की सुनिश्चित आय के लिए सरकार द्वारा "प्रधानमंत्री किसान सम्मान" (पीएम किसान) योजना के अंतर्गत किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये की प्रत्यक्ष आय सहायता प्रदान की जा रही है । किसानों को इन योजनाओं से जुड़ने के लिए के प्रेरित किया ।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; डॉ ए. केसिंह निदेशक . ने जानकारी दी की आदिवासी किसानों को पूसा संस्थान में उन्नत कृषि तकनीकों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया तथा प्रक्षेत्र भ्रमण कराया गया ।